Indian Journal of Modern Research and Reviews

This Journal is a member of the *'Committee on Publication Ethics'*

Online ISSN:2584-184X

Research Article

एक उच्च प्रदर्शन संस्कृति बनाना

श्रीमती रागिनी सक्सेना *

सहायक आचार्य, ओम कोठारी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान,कोटा, राजस्थान, भारत

Corresponding Author: *श्रीमती रागिनी सक्सेना

DOI: https://doi.org/10.5281/zenodo.18609788

सारांश

उच्च प्रदर्शन संस्कृति एक ऐसा कार्य स्थल संस्कृति है जहाँ पर व्यक्ति उच्च मापदंड के तहत काम करते है। प्रत्येक व्यक्ति के कार्यों और फ़ैसलों के प्रति जिम्मेदार होना और कड़ी मेहनत करते हुए अपने लक्ष्यों का पूरा करना और संचालन को बनाये रखने में अपनी भूमिका को समझता है। व्यक्ति ऐसी भूमिकाओं में कार्य करते हैं, जो उनके कौशल और प्राथमिकता के अनुकूल होए जो चुनौतियों का सामना कर सके। किसी संगठन की क्षमता उसकी संस्कृति की मजबूती पर निर्भर करती है। यह मुश्किल समय में केवल लचीलापन लाने से कहीं अधिक लाभ लाती है। यह एक प्रतिरूप है। जिसे हर संगठन को अपनाना होगा उसका आकार कुछ भी हो। उच्च प्रदर्शन संस्कृति बनाने के लिए संगठनों को एक ऐसे वातावरण की आवश्यकता है जो उत्कृष्टताए नवाचार और सफलता को बढ़ावा देता है। जैसे निम्न तत्वों पर ध्यान देना आवश्यक है स्पष्ट दृष्टिए मजबूत नेतृत्व, सतत शिक्षा संस्था का प्रदर्शनए सहयोगए नवाचारए विविधताए समानता और समावेशए इन तत्वों से संगठन उच्च प्रदर्शन संस्कृति बना सकते है। व्यक्तियों को प्रेरित करने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करने के लिए उन्हें सम्मानित करना और मान्यता प्रदान करनी चाहिए ।

Manuscript Information

- **ISSN No:** 2584-184X
- **Received:** 05-01-2026
- **Accepted:** 29-01-2026
- **Published:** 11-02-2026
- **MRR:**4(2); 2026: 114-119
- **©2026, All Rights Reserved**
- **Plagiarism Checked:** Yes
- **Peer Review Process:** Yes

How to Cite this Article

श्रीमती रागिनी सक्सेना. एक उच्च प्रदर्शन संस्कृति बनाना. इंडियन जर्नल ऑफ मॉडर्न रिसर्च रिव्यू. 2026;4(2):114-119.

Access this Article Online

www.multiarticlesjournal.com

मुख्य शब्द: उच्च प्रदर्शनए संस्कृतिए नवाचारए संगठनए प्रतिरूप।

प्रस्तावना

उच्च प्रदर्शन और संस्कृति किसी भी देश जाति संगठन की आत्मा है जिनके सहारे वह अपने आदर्शों के जीवन मूल्यो आदि का निर्धारण करता है जो प्रदर्शनी संस्कृति को विकसित करना है। यह ऊंचे स्तर से आरंभ होती है। व्यक्ति संगठन के उद्देश्य और मूल्यों के उत्कृष्टता की खोज कर अच्छा वातावरण बनाते हैं एक आकर्षक दृष्टिकोण को प्रेषण करने और अपने समूह को प्रेरित करने और उनकी क्षमता के उद्देश्य की भावना उत्पन्न करती है जो उच्च प्रदर्शन को प्रेरणा देती है इसके लिए संगठन को अपने कर्मचारियों को उनके काम में स्वयं पर फैसला लेने का अधिकार और स्वतंत्रता प्रदान करनी चाहिए। उन्हें अपने विचारों को समाधान हिस्सेदारी बनने के लिए प्रोत्साहित करना और उन्हें अपने लक्ष्य प्राप्त करने में मदद करनी चाहिए क्योंकि एक अच्छी नीवं ऊंची इमारत के लिए आवश्यक है।

1. उद्देश्यो और मूल्यो को स्पष्ट रूप से परिभाषित करना ही व्यक्तियों को संगठन के मूल्यो के अनुसार कार्य करने के लिए प्रेरित करता है।
2. कर्मचारियों को उनके काम की आजादी और संप्रभुता और उच्च वातावरण प्रदान करना।
3. कर्मचारियों को अपने विचार और समाधान को हिस्सेदारी करने के लिए प्रोत्साहित करना।

© 2026 श्रीमती रागिनी सक्सेना. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

4. लक्ष्यो को प्राप्त करने में कर्मचारियों की मदद करना।

परिभाषा - उच्च प्रदर्शन संस्कृति द्वारा समाज के एक सदस्य के रूप में अर्जित ज्ञान, विश्वासों, आचार-विचारों, कानूनों, रीति-रिवाज तथा अन्य क्षमताओं का समग्र कठिन आकार है।

अभिप्राय

उच्च प्रदर्शन संस्कृति में सौंदर्य मूल्य की सांस्कृतिक वस्तुएं शामिल होती है, जिन्हें समाज सामूहिक रूप से कला के अनुकरणीय कार्यो के रूप में मानता है एक साथ ही संगीत, साहित्य, इतिहास और दर्शन के बौद्धिक कार्य जिन्हें समाज अपनी संस्कृति का प्रतिनिधि मानता है।
एक उच्च प्रदर्शन संस्कृति बनाने के लिए कर्मचारियों को प्रेरित करना, जवाबदेह होना और निरंतर सीखने के लिए है प्रोत्साहित करना आवश्यक है, साथ ही स्पष्ट संचार, समूह में कार्य करना और सकारात्मक कार्य के वातावरण को बढ़ावा देना चाहिए । उच्च प्रदर्शन संस्कृति एक ऐसी कार्यस्थल संस्कृति है जहां कर्मचारी उच्च मापदंडों के तहत काम करते हैं स्वयं को जवाबदेह रखते हैं, कड़ी मेहनत और अपने लक्ष्य को पूरा करते हैं। उच्च प्रदर्शन संस्कृति में प्रत्येक व्यक्ति कंपनी को उसके लक्ष्यों को पूरा करने और संचालन को बनाए रखने में और मदद करने में अपना रोल को समझता हैं।

अर्थ

उच्च प्रदर्शन वाली कंपनियों का विकास रातों-रात नहीं होता है। लेकिन आप मजबूत समर्पण और समूह नेताओं के साथ इसे तेजी से प्राप्त कर सकते हैं। आपको व्यापार कार्य संस्कृति पर ध्यान केंद्रित करके व्यक्तियों और विकास के प्रति अपने अनुपालन को साबित करती है। जबकि सभी व्यवसाय कुशलता और अधिकतम उत्पादन करने के लिए प्रयास करते हैं। लेकिन यह कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य और सुख कीमत पर नहीं होना चाहिए। कंपनियों को ऐसा स्वस्थ कार्य स्थल बनाने का प्रयास करना चाहिए। जो अपने कर्मचारियों के देखभाल करते हुए विकास के लिए क्षेत्र प्रदान कर सके उच्च संस्कृति से तात्पर्य है कि सौंदर्य मूल्य की सांस्कृतिक वस्तुएं शामिल होती है। जिन्हें समाज सामूहिक रूप से कला के अनुकरणीय कार्यों के रूप में मानता है, साथ ही संगीत और साहित्य इतिहास और दर्शन के बौद्धिक कार्य जिन्हें समाज अपनी संस्कृति का प्रतिरूप मानता है।
दूसरे शब्दों में यह केवल अच्छे व्यवहार को बढ़ावा देने या कर्मचारी को मजबूत बनाने के बारे में नहीं है यह दोनों का एक समूह मिश्रण समूह है संगठनात्मक संस्कृति जादूई हैए इसे परिभाषित करना कठिन है तथा इसे नियंत्रित करना और भी कठिन होता है जबकि हम सभी इस बात से एक मत है की संस्कृति जरूरी है अधिकतर लोग पाबंद करने के लिए संघर्ष करते हैं और इसे बदलने के लिए और भी अधिक कड़ी मेहनत करते हैं ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि संस्कृति एक संगठन का व्यक्तित्व है और जिस तरह किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व को बदलना असंभव है इस तरह किसी भी संगठन के संस्कृति को बदलना भी बल्कि मुश्किल है।
कोलंबिया विश्वविद्यालय के एक स्टडी में पाया गया है कि उच्च प्रदर्शन वाली संस्कृति से कर्मचारी की साझेदारी उत्पादकता और प्रतिधारणा बनाए रखने में वृद्धि होती है तथा मेकिंन्से एंड कंपनी ने पाया की उच्च प्रदर्शन वाली संस्कृति वाले समुदाय स्टोकहोल्डर को तीन गुना अधिक लाभ देते हैं काफी रिसर्चो और लीडर टीमों के ध्यान देने के बावजूद उच्च प्रदर्शन वाली संस्कृति अभी भी हाथ में से कई व्यक्तियों के वास्तविकता के बजाय एक आकांक्षा है।
उच्च प्रदर्शन संस्कृति किसी समाज में गहराई तक प्राप्त गुणों के समग्र का नाम है, जो उस समाज के सोचने विचारने के कार्य के आकार में शामिल होता है। उच्च प्रथम संस्कृति को संचालित करना एक शक्तिशाली औजार है जो संगठनों को अपने लक्ष्य प्राप्त करने में मदद कर सकता है स्पष्ट अपेक्षाएं निर्धारित करके, रोजाना प्रतिक्रिया प्रदान करके, प्रदर्शन पारितोषण और मान्यता देकर और निरंतर सीखने की संस्कृति बनाकर संगठन को एक ऐसा कार्यबल बना सकते हैं जो अपने सर्वोत्तम प्रदर्शन के लिए प्रेरित हो।

तात्पर्य

उच्च प्रदर्शन संस्कृति में सांस्कृतिक कार्यक्रम से तात्पर्य संगठित गतिविधियों से है जो प्रतिभागियों की विभिन्न संस्कृतियों परंपराओं और विरासत की सोच को बढ़ाने पर केंद्रित होती है जिसका उद्देश्य व्यक्तियों के बीच अंतर.सांस्कृतिक जागरूकता और प्रशंसा को बढ़ावा देना होता है। उच्च प्रदर्शन संस्कृति से एक ऐसी ऊर्जा और प्रेरणा मिलती है जिसमें प्रयास और सुरक्षा दोनों की भावना होती है सीखने की सुरक्षा होना गलतियां करने की सुरक्षा होना और नई बड़ी और जटिल चुनौतियों से लड़ने की सुरक्षा, होना जो ऐतिहासिक रूप से ऐसी संस्कृति जो स्वाभाविक रूप से उसे विकसित हो सकती है क्योंकि व्यक्ति ऑफिस में एक साथ समय व्यतीत करते हैं। संस्कृति को दो भागों में बांटा गया है भौतिक संस्कृति और अभौतिक संस्कृति में विभाजित किया गया। है सांस्कृतिक नीति के उद्देश्य है की संस्कृति अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर आधारित एक गतिशील चुनौतीपूर्ण और स्वतंत्र शक्ति बने, प्रत्येक व्यक्ति सांस्कृतिक जीवन में भाग ले सके तथा रचनात्मक विविधता और कलात्मक गुणवत्ता समाज के विकास के लिए अभिन्न अंग बने।

उच्च प्रदर्शन संस्कृति वाले संगठनों में कई सामान्य विशेषता होती है-

1. मजबूत नेता- किसी कंपनी की संस्कृति उनके नेताओं द्वारा निर्धारित की जाती है उदाहरण के लिए किसी स्टार्टअप मैं संस्कृति अक्सर संस्थापकों और शुरुआती कर्मचारियों के व्यक्तित्व को दर्शाती है। इसी परिदृश्य में संस्थापक टीमों को उन विशेषताओं को दिखाने में सावधानी बरतनी चाहिए जिन्हें वह चाहते हैं कि लोग उनका अनुकरण करें और उन विशेषताओं को नियंत्रण में रखें जिन्हें वह नियंत्रित नहीं कर सकते इसलिए अधिक स्थापित संगठनों में नेता अपने व्यवहार और कार्यों के माध्यम से प्रदर्शन के लिए मानक निर्धारित करते हैं एक लीडर जो प्रमुख प्रदर्शन संकेतक को ;ज्ञच्द्ध को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं और वह अपने कर्मचारियों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करेगे।
2. उच्च प्रदर्शन संस्कृति वाले संगठन कर्मचारी सशक्तिकरण के मामले में अपना पैसा वही लगाते हैं कर्मचारियों के पास निर्णय लेते समय सही निर्णय लेने के लिए आवश्यक औजारए ज्ञान और कौशल होना चाहिए। अध्ययन से मालूम चला है की समस्या आने

© 2026 श्रीमती रागिनी सक्सेना. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

पर कार्रवाई करने से सक्षम महसूस करना कर्मचारियों की सलंग्नता का एक महत्वपूर्ण तत्व है।

3. सतत विकास- समर्थन करने के लिए हमे कर्मचारी विकास की जरूरत का मूल्यांकन करने और लगातार विकास और सीखने का समर्थन करने के तरीकों को पहचान करने की आवश्यकता है।
4. चंचलता- चंचलता बहुत बदलाव की मानसिकता उच्च प्रदर्शन वाले संगठन की मुख्य विशेषताए है उच्च प्रदर्शन संस्कृति वाले संगठन मे बदलाव के लिए योजना बनाना और परिणाम प्राप्त करने के लिए रणनीति कार्य प्रथाओं, नौकरी के विवरण को समायोजित करने से डरते नहीं है।
5. नवाचार -उच्च प्रदर्शन संस्कृति में नवाचार खुले तौर पर और निडरता से अपने विचारों को उत्पन्न करते हैं, साझा करते हैं ,और के माध्यम से आगे बढ़ाते हैं ।
6. स्वामित्व -कर्मचारियों में स्वामित्व और अपनेपन की प्रबल भावना होती है जो उन्हें संगठनात्मक लक्ष्यो और उद्देश्यों को प्राप्त करने में योगदान देने के लिए प्रेरित करती है ।
7. संचार - कर्मचारी आवश्यक जानकारी भेजते हैं ,प्राप्त करते हैं, और समझते हैं ।
8. सहयोग- कर्मचारी सहयोग करते हैं, साझा करते हैं और एक साथ मिलकर काम करते हैं।
9. आप अपने संगठन में किस प्रकार की संस्कृति का निर्माण कर सकते हैं यह काफी हद तक आपके संगठन के आकार और उद्योग पर निर्भर करता है लेकिन वे गुण अधिकांश उच्च प्रदर्शन संस्कृति कंपनियों के लिए सामान्य है, इसलिए वह आपके संगठन की संस्कृति का आकलन करने के लिए आपको मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं।

उच्च प्रदर्शन संस्कृति के लाभ-

उच्च- निष्पादन संस्कृति में,कर्मचारी अत्यधिक उत्पादक होते हैं और लक्ष्यों पूरा करने के लिए प्रेरित होते हैं ,कंपनी के मूल्यों और मिशन के साथ जुड़े और जुड़े हुए महसूस करते हैं,और समूह एक -दूसरे और नेतृत्व पर भरोसा करते है।

तीन लाभ -

1. वे अधिक लाभदायक है ।
2. वे विचार सृजन को प्रोत्साहित करते हैं।
3. उनके कर्मचारियों की प्रति धारणा दर बहुत बेहतर है।

1 वे अधिक लाभदायक है उच्च प्रदर्शन वाली संस्कृति उद्योग में लगे हुए कर्मचारियों में स्वामित्व की भावना प्रबल होती है जो उन्हें अधिक प्रभावी उत्पादक और अभिनव बनती है और स्थायी आधार पर बेहतर परिणाम प्राप्त होते हैं।

चित्र-1

2 वे विचार सर्जन को प्रोत्साहित करते हैं उच्च प्रदर्शन वाली संस्कृति मैं कर्मचारी प्रेरित उत्पादक और व्यस्त होते हैं उच्च प्रदर्शन वाली संस्कृतियों में निहित विश्वास और सम्मान के कारण कर्मचारी सोच समझकर रिस्क उठाने में सक्षम महसूस करते हैं जिससे उन्हें खुले तौर पर निर्णय लेने और विचारों और प्रतिपुष्टि को स्वतंत्र रूप से साझा करने में मदद करती है।

चित्र-2

3 उनकी कर्मचारी प्रतिधारण दर बहुत बेहतर है- प्रेरक संस्कृति पूरे कार्यकाल का मनोबल बढ़ाती है और एक बार जब कर्मचारी खुश हो जाते हैं, और अपने कार्य स्थल पर अधिक नौकरी के संतुष्टि का अनुभव करते हैं तो वह कंपनियों के साथ बने रहते हैं, और नियोक्ताओ और कर्मचारियों के बीच आपसी विश्वास और वफादारी का निर्माण होता है।

चित्र-3: उच्च कर्मचारी प्रतिधारण

© 2026 श्रीमती रागिनी सक्सेना. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

आगे का रास्ता

उच्च प्रदर्शन वाली संस्कृति विकसित करना एक ऐसा सफर है जिनके लिए प्रतिबद्धता, धैर्य और उत्कृष्टता पर अटूट ध्यान की आवश्यकता होती है जब संगठन सहयोग, निरंतर सीखने,दूरदर्शी नेतृत्व और स्पष्ट संचार को प्राथमिकता देते हैं तो वे ऐसा वातावरण बनाते हैं जहां कर्मचारी उत्कृष्टता प्राप्त करने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने के लिए प्रेरित होते हैं। उच्च प्रदर्शन वाली संस्कृति का अर्थ सिर्फ प्रभावशाली परिणाम प्राप्त करना नहीं है बल्कि इसका मतलब है कि व्यक्तियों के भीतर की क्षमता को पोषित करना और व्यवसाय को निरंतर सफलता की ओर ले जाना। जैसे-जैसे संसार विकसित होता है इस संस्कृति को अपनाने वाले संगठन चुनौतियों का सामना करने के लिए अनुकूलन नवाचार और उन्नति करने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित होंगे।

महत्व

उच्च प्रदर्शन संस्कृत में संस्कृति मानव जीवन का एक मुख्य भाग है यह हमें जीवन जीने का तरीका सिखाती है और हमारी पहचान को रूप देती है संस्कृति के बिना मनुष्य का जीवन अधूरा रह जाएगा। 'संस्कृति मानव अनुभवों को संचयित करती है और आगे बढ़ती है। संस्कृति से हमें भाषा,चिन्ह,मूल्य,मानदंड,रीति-रिवाज और परंपराएं सीखने को मिलती है। संस्कृति से ही हमें जीवन का अर्थ और जीने का तरीका मिलता है। संस्कृति से ही हमें आध्यात्मिकता और भौतिक पक्ष से मेल-मिलाप मिलता है। संस्कृति से हमें सामाजिक और आर्थिक लाभ मिलते हैं । संस्कृति से हमारे जीवन की गुणवता बढ़ती है। संस्कृति से व्यक्तियों और समुदायों का कल्याण बढ़ता है। संस्कृति समाज में अंतनिर्हित है यह गतिशील एवं अनुकूलनीय है। यह प्रतीकात्मक संचारात्मक है तथा सामाजिक और मानवीय आवश्यकताओं को पूरा करता है यह समाज दर समाज बदलता रहता है और वैचारिक होता है।

उद्देश्य

1. कर्मचारियों को ताकतवर बनाना ।
2. कर्मचारियों को रचनात्मक स्वतंत्रता और उत्पादक करने के लिए प्रोत्साहित करना ।
3. कर्मचारियों का मनोबल स्तर ऊंचा उठाना, उनके सेवा करने का जोखिम कम करना।
4. क्रेताओं को संतुष्टि प्रदान करना।
5. संगठन में नई निपुणता लाना ।
6. शीर्ष उच्च परिणाम को हासिल करना।
7. संगठन को घुमावदार रूपरेखा से आगे रखना।
8. अच्छे विचारों के कारण ही संसाधनों का उपयुक्त प्रयोग करना।
9. समूह कार्य को अधिक सहनशील बनाना।
10. प्रत्येक व्यक्ति के योगदान के लिए उनको पुनर्बलन प्रदान करना।
11. कर्मचारी विकास में वृद्धि कर अपने कौशल और ज्ञान को बढ़ा सकते हैं क्योंकि यह एक गुणात्मक मूल है ।
12. उच्च प्रदर्शन के तीन स्तंभ होते है 1. उद्देश्य 2. पारदर्शिता 3. व्यक्ति प्रथम

1. **उद्देश्य-** लक्ष्यों, प्रेरणा, जुडाव आपकी कंपनी के मूल्यों और संस्कृति का ध्यान रखना। जब कर्मचारी कंपनी के उद्देश्य को समझते हैं तो उनके लिए ताल-मेल रखना आसान होता है और वह अपने स्वाभाविक रूप से अधिक प्रेरित होते हैं।
2. पारदर्शिता-क्षतिपूर्ति, स्पष्टता, दत्तसामग्री, स्पष्टता, वेतन सामानता, विविधता, शासन, जोखिम और अनुपालन प्रदान करना।
   जोश बर्सिन- इसलिए एक ऐसी वेतन प्रक्रिया बनाना महत्वपूर्ण है, जिसमे स्पष्ट रूप से परिभाषित मापदंड हो, जो पारदर्शी और समझने में आसान हो और प्रबंधकों को इसे संप्रेषित करने के लिए प्रशिक्षित और समर्थित किया गया हो। पारदर्शिता सुधारने के लिए मुआवजा प्रणाली में निवेश करने के उनके व्यवसाय का उद्देश्य जुड़ाव और कर्मचारी प्रदर्शन को बढ़ाता है।
3. प्रथम व्यक्ति-कर्मचारी अनुभव और यात्रा को प्राथमिकता देना कर्मचारी केंद्रित कार्यस्थल और सार्थक पुरस्कार प्रदान करना।

चित्र: 4

इन तीनों स्तंभों का समर्थन करने वाले हैं क्षतिपूर्ति और प्रदर्शन प्रबंधन जिस तरह से हम प्रदर्शन का प्रबंध करते हैं और अपने लोगों को पुरस्कृत करते हैं।

आईबीएम का कहना है कि मानव. केंद्रीय संगठन ष्बेहतर मानवीय अनुभव बनाने पर ध्यान केंद्रित करता है, निरंतर पुनरावृति और सीखने के माध्यम से लचीलापन और जोखिम. मुक्त नवाचार का निर्माण करता है, अपने ग्राहकों के साथ.साथ अपने विविध, सशक्त समूहो के अनुभव की भी उतनी ही परवाह करता है, और जानबूझकर सक्रिय रूप से इन सिद्धांतों को संगठन के ढांचे में शामिल करता है।

13 संगठन की प्रतिष्ठा में वृद्धि से क्रेता और व्यापारियों को नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

मुख्य बिंदु

1. स्पष्ट दृष्टि और नवाचार से संगठन के उद्देश्यों और मूल्यों को स्पष्ट से परिभाषित करना चाहिए।

© 2026 श्रीमती रागिनी सक्सेना. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

2. नेताओं को संगठन के मूल्यो और नवाचार के अनुसार कार्य करने के लिए प्रेरित करना।
3. कर्मचारियों को स्वयं कार्य में स्वतंत्रता एंव आत्मबल प्रदान करना।
4. कर्मचारियों को नियमित प्रशिक्षण और विकास के अवसर प्रदान करना चाहिए।
5. कर्मचारियों को ग्रुपो में काम करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि सबके विचार स्पष्ट हो सके।
6. कर्मचारियों के साथ समानता और समावेश स्थापित करना चाहिए।
7. कर्मचारियों को नए विचारों और समाधानों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।
8. कर्मचारियों के प्रदर्शन का नियमित से मूल्यांकन करना चाहिए ।
9. संगठन को खुला और ईमानदारी से संप्रेषण करना चाहिए।
10. संगठन में लगातार सुधार के प्रयास करना। क्योंकि त्रुटि और प्रयास से अधिक सीखा जा सकता है।

सुझाव

1. सांस्कृतिक समारोह उत्सव मे नई पीढ़ी को शामिल करना।
2. प्राचीन और धार्मिक स्थलों की धरोहर को युवाओं द्वारा इसका इतिहास जानना ।
3. नृत्य, कथा, नाटक, में हिस्सा लेना।
4. साहित्य द्वारा संस्कृति का संरक्षण करना।
5. वैदिक शिक्षा और नैतिक शिक्षा को बढ़ावा देना।
6. कंपनी की दूरदर्शिता और नवाचार के बारे में जानकारी देना।
7. पर्याप्त संसाधन और समर्थन की आवश्यकता होना।
8. संस्कृति के लिए सीखना और विकास जरूरी है ।
9. व्यक्तियों की प्रभावशीलता और जवाबदेही जरूरी है।
10. पुरस्कार और मान्यता प्रदान करना।
11. उत्कृष्ट क्रेता सेवा का समर्थन करना।

संस्कृति के माध्यम से नवाचार स्थापित करना

1. 1.सांस्कृतिक कार्यशालाएं आयोजित करना । जिसमें प्रतिभागियों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना।
2. सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन करना।
3. सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों से प्रतिभागियों को नए विचारों और प्रथाओं से परिचित होने का अवसर मिलता है।
4. सांस्कृतिक शिक्षा को पाठ्यक्रम में शामिल करना
5. संस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित करना ।

जब हम किसी संगठन के अंदर उच्च प्रदर्शन संस्कृति विकसित करने की बात करते हैं तो हम एक ऐसा वातावरण बनाने के उद्देश्य से करते हैं जो कर्मचारियों को काम पर आने के लिए प्रोत्साहित करें। वास्तव में, सकारात्मक कंपनी संस्कृति को अधिकतर उन लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में अविनीत किया जाता है जो भूमिकाओं के लिए निवेदन कर रहे हैं। अपने कार्य शक्ति का विस्तार करने या उपस्थित कर्मचारियों को और अधिक प्रोत्साहित करने की इच्छा रखने वाली कंपनियों के लिए संस्कृति में खर्च को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

1. 1 निरंतर सीखना- मजबूत लीडरों को न केवल अपने व्यवसाय में होने वाले परिवर्तनों को स्वीकार करने के लिए तैयार करना चाहिए बल्कि विकास और नवाचार को प्रोत्साहित करना चाहिए।
2. 2 व्यक्तियों को मजबूत बनाना- जिससे वह उत्तम उच्च प्रदर्शन टीम पाठ्यक्रम में प्रतिभागियों को प्रबंधन से न्यूनतम निर्देश के साथ प्रभावी ढंग से कार्य करना सिखाएगा। उन्हें समस्याओं को हल करने और ऐसे निर्णय लेने का काम सौंपा गया है जो उच्च गुणवत्ता वाले रिजल्ट उत्पन्न करेंगे। उनकी सफलता को पहचानना और जश्न मनाने से मनोबल पर स्थायी प्रभाव पड़ सकता है जो उन्हें सफलता के लिए प्रयास करने के लिए मजबूत बनाते हैं।
3. 3 प्रतिक्रिया इकट्ठा करना और उच्च प्रदर्शन का संस्कृति तब पैदा होती है जब रोजाना रूप से प्रतिपुष्टि मांगी जाती है ।और उसका निवारण किया जाता है इससे न केवल समूहों को उनके लिए निर्धारित लक्ष्यों को अच्छे ढंग से समझने में मदद मिलती है।
4. 4 जवाबदेही को प्रोत्साहित करें ताकि टीमों को विकसित करने और बनाए रखने की सबसे ताकतवर संपत्तियों में से एक है परिणाम प्राप्त करने का उनका दृढ़ संकल्प ऐसा हो जो उन्हें अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए स्वयं को और एक -दूसरे को उच्च स्तर की जवाबदेही पर रखना चाहिए।
5. 5 सही लोगों को चयन करने के लिए उच्च प्रदर्शन टीमों में ऐसे व्यक्ति शामिल होने चाहिए जो न केवल अपने रोल और प्रोजेक्ट के प्रति समर्पित हो, बल्कि संगठन और उसके मूल्यों को भी समझते हो। उन्हें प्रशिक्षण और अनुभव प्रदान करके आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि वे आपको उच्च प्रदर्शन को बढ़ावा देने वाला वातावरण बनाने में मदद कर रहे हैं।
6. 6 एकीकृत व्यवहार में उच्च प्रदर्शन संस्कृति बनाने की आपकी इच्छा को केवल व्यक्त करना ही पर्याप्त नहीं है आपको कार्य करना चाहिए। यह सभी स्तरों पर कर्मचारियों के साथ स्पष्ट रूप से संवाद करके प्राप्त किया जाता है कि उनसे क्या अपेक्षा की जाती है सफल होने के लिए आवश्यक व्यवहार और आदतों के बारे में रोजाना बात की जानी चाहिए और व्यवसाय के दिन-प्रतिदिन के संचालन में उन्हें शामिल किया जाना चाहिए।
7. 7 उदाहरण स्थापित करें , जो कहते है वही करो की पुरानी कहावत आज भी सही है व्यवसाय में यह आपके कर्मचारियों के लिए अधिक मायने रखता है यदि आप दिखाते हैं कि आप उन कार्यों के लिए समय और कोशिश लगाने के लिए उतने ही इच्छुक हैं, जिन्हें आप उन्हें करने के लिए कह रहे हैं। एक लीडर के रूप में, आप मानक निर्धारित करते है। यदि आप चाहते हैं कि दूसरे आपके संगठन के मूल्यो का पालन करें, तो आपको संस्कृति को आगे बढ़ाने में प्रभावी होने के लिए खुद को उनके अनुसार चलना चाहिए।

आपकी टीम कितना अच्छा प्रदर्शन करती है, यह उस वातावरण से जुड़ा हुआ है जिसमें वे काम करते हैं समूहो को असाधारण रिजल्ट प्राप्त करने के लिए उन्हें उच्च प्रदर्शन संस्कृति की आवश्यकता होती है। उच्च प्रदर्शन टीम कार्यक्रमों को विकसित करना और बनाए रखना एक सकारात्मक कंपनी स्थापित करने में एक अमूल्य संसाधन है। जो केवल कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से नहीं किया जा सकता है। यह

© 2026 श्रीमती रागिनी सक्सेना. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

समूह के व्यक्तियों पर निर्भर करता है कि वह इसे विकसित करें और इसके साथ जुड़े। इन प्रयासों के माध्यम से सांस्कृतिक माध्यमो का उपयोग करके उच्च प्रदर्शन और नवाचार को सफलतापूर्वक स्थापित किया जा सकता है।

उच्च प्रदर्शन संस्कृति बनाने के लिए कर्मचारियों को मजबूत बनाना, स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करना, निरंतर सीखने को प्रोत्साहित करना और सकारात्मक प्रतिक्रिया देना महत्वपूर्ण है। उच्च प्रदर्शन संस्कृति एक कार्य स्थल संस्कृति जहां कर्मचारी उच्च मानकों के तहत काम करते हैं, खुद को जवाबदेह रखते हैं, कड़ी मेहनत करते हैं और अपने लक्ष्यों को पूरा करते हैं। उच्च प्रदर्शन संस्कृति में प्रत्येक व्यक्ति कंपनी को उसके लक्ष्यों को पूरा करने और संचालन को बनाए रखने में मदद करने में अपनी भूमिका को समझता हैं।

शोध फर्म गार्टनर के अनुसार, संगठन उच्च प्रदर्शन वाली संस्कृति का निर्माण तब कर सकते हैं जब वे लोगों, प्रक्रिया, भौतिक वातावरण और प्रौद्योगिकी में निवेश को लगातार संतुलित करते हैं ताकि श्रमिकों की सीखने, खोज करने, नवाचार करने, दलसमूह बनाने और नेतृत्व करने की क्षमता को बढ़ाया जा सके और कुशलता और वित्तीय हासिल किया जा सके। प्रशंसा और मान्यता के लिए समय निकालें ताकि अपने समूहों को सफल बनाने के लिए हमें रोज़ाना प्रतिपुष्टि की सुविधा प्रदान करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम छोटी और बड़ी दोनों तरह की जीत का जश्न मना रहे हैं। संचार को गंभीरता से लें। लीडरों, प्रबंधकों और कर्मचारियों के बीच स्पष्ट संचार हो जिसमें नियमित एक मीटिंग शामिल हो, वह बहुत जरूरी है।

निष्कर्ष

1. संस्कृति हमें सही रूप में मानव बनाती है।
2. संस्कृति जीवन जीने का तरीका सिखाती है।
3. संस्कृति समाजशास्त्र की एक अहम् अवधारणा है ।
4. संस्कृति किसी समाज के व्यक्तियों के विश्वासो, प्रतीकों, भाषा, व्यवहारों और कलाकृतियों को कहते हैं।
5. संस्कृति स्थानों के आधार पर अलग-अलग होती है ।
6. समाजों में अलग-.अलग संस्कृति भी भिन्न-भिन्न होती है।
7. संस्कृति हमारे संपूर्ण जीवन के सोच विचारों और व्यवहारों को दिखाती है ।
8. संस्कृति सतत रूप से बदलती रहती है।
9. संस्कृति हमें दर्शन और धर्म के पास लाती है।
10. संस्कृति एक मौलिक तत्व है।
11. कलाओं के प्रति हमें आकर्षक बनाना और सौंदर्य प्रतिभाशाली मानव बनाती है
12. हमें संस्कृति हमें नैतिक मनुष्य बनाती है और वह दूसरे व्यक्तियों से जुड़ने में मदद करती है।
13. संस्कृति हमें प्रेम सहिष्णुता और शांति का पाठ पढ़ाती है।

संदर्भ

1. कोवे एस. उच्च प्रदर्शन संस्कृति संगठनात्मक सफलता के लिए।
2. कलाम एपीजेए, तिवारी अ. द्रष्टव्य 2030: भारत की उच्च प्रदर्शन संस्कृति।
3. कोटर जे. उच्च प्रदर्शन संस्कृति के लिए नेतृत्व।
4. ड्रकर पी. उच्च प्रदर्शन संस्कृति और नवाचार।
5. शीन ई. संगठनात्मक विकास और उच्च प्रदर्शन संस्कृति।
6. कोटर जेपी. उच्च प्रदर्शन संस्कृति और संगठनात्मक परिवर्तन।
7. मूर्ति केआर. द्रष्टव्य 2050: उच्च प्रधान संस्कृति के लिए मार्गदर्शन।
8. बैकहार्ड आर. संगठनात्मक विकास और उच्च प्रदर्शन संस्कृति।

Creative Commons License

This article is an open-access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution–NonCommercial–NoDerivatives 4.0 International (CC BY-NC-ND 4.0) License. This license permits users to copy and redistribute the material in any medium or format for non-commercial purposes only, provided that appropriate credit is given to the original author(s) and the source. No modifications, adaptations, or derivative works are permitted.

About the corresponding author

श्रीमती रागिनी सक्सेना ओम कोठारी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान, कोटा, राजस्थान में सहायक आचार्य के पद पर कार्यरत हैं। वे शिक्षक शिक्षा, शैक्षिक मनोविज्ञान और प्रभावी शिक्षण-पद्धतियों के क्षेत्र में सक्रिय रूप से योगदान दे रही हैं। उनका उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से भावी शिक्षकों को सक्षम, नवाचारी और उत्तरदायी बनाना है।

© 2026 श्रीमती रागिनी सक्सेना. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/